महेश वंदना - जय महेश बलिहारी

!! महेश वंदना !!

किस विधि वंदन करू तिहारो – ओढरदानी त्रिपुरारी
बलिहारी – बलिहारी – जय महेश बलिहारी !! धृ !!

नयन तीन उपवीत भुजंगा, शशि ललाट सोहे सिर गंगा
मुंड माल गल बिच विराजत, महिमा है भारी...
बलिहारी – बलिहारी – जय महेश बलिहारी !! १ !!

कर में डमरू त्रिशुल तिहारे, कटी में हर वाघंबर धारे
उमा सहित हीम शैल विराजत, शोभा है न्यारी.....
बलिहारी – बलिहारी – जय महेश बलिहारी !! २ !!

पल में प्रभु तुम प्रलयंकर, पर प्रभो सदय उभयंकर
ऋषी मुनि भेद न पाये तिहारो, हम तो है संसारी....
बलिहारी – बलिहारी – जय महेश बलिहारी !! ३ !!

अगम निगम तब भेद न जाने, ब्रम्हा विष्णु सदा शिव माने
देवो के ओ महादेव अब, रक्षा करो हमारी...
बलिहारी – बलिहारी – जय महेश बलिहारी !! ४ !!

किस विधि वंदन करू तिहारो – ओढरदानी त्रिपुरारी
बलिहारी – बलिहारी – जय महेश बलिहारी !! धृ !!

स्वर - पलक मुछल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1359/title/kis-vidhi-vandan-karun-tiharo-odhardani-tripurari-balihari-jai-mahesh-balihari-Mahesh-vandana

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |